(५) तारों को शीघ्र निबटाने के उद्देश्य से तारों के रजिस्ट्री हुए संक्षिप्त पतों को पूर्णत: उद्धृत करने के प्रयोजनार्थ सब के सब विभागीय तार-घरों में "पता-लेखी" मशीनें लगायी गयी हैं ; और

(६) पहले ही प्रयोग में लाये जा रहे उपायों के अलावा सरकार द्वारा कुछ एक विशेष बातों में जांच करने के उद्देश्य से, जिनमें तारों के शीघ्र वितरण करने का ढंग भी सम्मिलित है, एक तार जांच कमेटी भी नियुक्त कर दी गयी है । इस कमेटी का जांच सम्बन्धी कार्य अब प्रगति पर है ।

माण्डू

१०२१. { श्री खादीवाला :
श्री राधे लाल व्यास :
श्री क० भे० मालवीय :

क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश मे धार के निकट स्थित ऐतिहासिक माण्डू स्थल को देखने के लिये १९५६ में कितने देशी और विदेशी पर्यटक आये ;

(ख) वहा सभी श्रेणियों के पर्यटकों के लिये रात्रि में विश्राम करने के लिये क्या प्रबन्ध किया गया है ;

(ग) क्या सरकार को इस प्रकार के प्रबन्ध की अपर्याप्तता के बारे में पर्यटकों से कोई शिकायतें प्राप्त हुई है ;

(घ) यदि हा, तो इन कमियो को दूर करने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ;

(ङ) क्या सरकार माण्डू में जहा कि बहुत से पर्यटक जाते है टेलीफोन तथा तार की सुविधाओ की व्यवस्था करने का विचार कर रही है ; और

(च) यदि हां, तो यह कार्य कब तक पूरा होगा ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) माण्डू में जाने वाले पर्यटकों के बारे में आंकड़े इकट्ठे नहीं किये जाते हैं । फिर भी १९५६ के साल में जिन पर्यटकों ने इस स्थान को देखा उनकी आम तौर पर अनुमानित संख्या २०,००० से अधिक है ।

(ख) पुरातत्व विभाग द्वारा एक पुरानी इमारत के कुछ कमरों को विश्रामगृह में परिवर्तित कर दिया गया है, जिसमें भारतीय तथा विदेशी पर्यटकों के इस्तेमाल के लिये अलग अलग चार कमरे हैं । इस प्रकार की व्यवस्था द्वारा और अधिक स्थान प्राप्त करना संभव नही है । स्थानीय पंचायत ने आठ अलग अलग कमरों की व्यवस्था केवल भारतीय पर्यटकों के लिये ही की है ।

(ग) इस सम्बन्ध में कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है, किन्तु वर्तमान सुविधाओं को पर्याप्त नही समझा गया है ।

(घ) पर्यटन के लिये द्वितीय पंच वर्षीय योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा विदेशी पर्यटको के खातिर लगभग २·०० लाख रुपये की लागत के एक विश्राम-गृह की व्यवस्था को सम्मिलित कर लिया गया । इस विश्राम-गृह के निर्माण के लिये स्थान चुन लिया गया है और सरकारी निर्माण-विभाग इसके नक्शे और प्राक्कलन तैयार कर रहा है । राज्य-योजना के अन्तर्गत १·५० लाख रुपये की लागत से कम आमदनी वाले पर्यटकों के लिये इस स्थान पर एक विश्राम-गृह बनाने की व्यवस्था भी कर दी गई है जिसकी वित्तीय व्यवस्था राज्यीय तथा केन्द्रीय सरकारें मिल कर करेंगी । १९५८–५९ में राज्य सरकार का विचार इस योजना को शुरू करने का है ।

(ङ) और (च). इन सुविधाओ की व्यवस्था के बारे में जांच कर ली गयी है और

यह अनुभव किया गया है कि ऐसी व्यवस्था करने में डाक-तार विभाग को बड़ी भारी हानि उठानी पड़ेगी ।

Dining Car on G.T. Express

1022. Shri Subbiah Ambalam: Will the Minister of **Railways** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 463 on the 20th November, 1957 and state what alternative arrangements have been made to cater food to passengers, after the discontinuance of dining car service on the Grand Trunk Express beyond Kazipet on the Bezwada and Madras Section since the 1st November, 1957?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): Refreshment Rooms exist at Kazipet, Dornakal, Bezwada, Tenali Ongole, Bitragunta and Gudur stations between Kazipet and Madras, besides which sale of edibles is also being effected at a number of stations on the section from stalls and by vendors.

On the Kazipet-Bezwada section, the G.T. Express trains run during the night in both directions, so that the need for a dining car service does not exist.

On the Bezwada-Madras section, the existing facilities at the Refreshment Rooms have been augmented to cater to the increased demand due to the withdrawal of dining cars. The steps taken include augmentation of equipment and stores at Bezwada, Tenali, Ongole, Bitragunta and Gudur, and appointment of additional catering staff at Bezwada, Ongole and Gudur.

Passenger Amenities

1023. Shri K. U. Parmar: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that no sleeping accommodation is provided in the "Janta Express" running from Ahmedabad to Bombay; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) Yes.

(b) So far sleeping accommodation in III class has been provided, as an experimental measure, only on a few selected trains. Two different types of coaches are on trial. The type of sleeper coach to be adopted as the standard is under consideration and as soon as a decision is taken construction of additional coaches and putting them on trains on which the service is not now available will be taken in hand.

Forest Plan of Punjab

1024. Sardar Iqbal Singh: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the total grants asked for by the *Punjab Government* for their schemes relating to forests for the Second Five Year Plan; and

(b) the amount sanctioned by the Central Government?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) A provision of Rs. 2·02 lakhs has been made in the Second Five Year Plan for grants for the Forestry Schemes in Punjab. During the first and second year of the plan, the State Government came up with requests for grants to the extent of Rs. 14,100/- only.

(b) Rs. 14,100/-.

Travel between India and Pakistan

1025. Sardar Iqbal Singh: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) the number of Indians who travelled to Pakistan since the inception of direct service between Amritsar and Lahore by rail, month-wise;

(b) the number of Pakistani nationals who travelled to India since then by rail, month-wise; and

(c) the steps taken by Government to facilitate this travel?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and